

No 106152



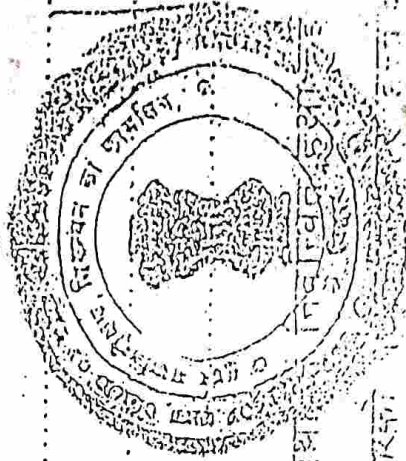
संस्थाओं के चिह्नधन का प्रमाण-पत्र

(ऐक्ट 21, 1860)

संख्या: ०६६

दिनांक 27/04/2005

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि **दुबिना टारक टैवा टैरिशन**



सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट 21, 1860 से अधीन आज यथा

आज तारीख **27/04/2005** को **मासिक रूप से** **जापुर** में **जापुर** के साथ दिया गया।

" आम सभा का प्रस्ताव "

आज दिनांक-20.04.2004 को "सुमित्रा स्मारक सेवा संस्थान" की आम सभा की बैठक अध्यक्ष-श्री बलराम प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किये गये।

प्रस्ताव संख्या-1

सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि "सुमित्रा स्मारक सेवा संस्था" का निर्वाचन, संस्था अधिनियम-21, 1960 के अन्तर्गत निर्दिष्ट करा लिया जाय।

प्रस्ताव संख्या-2

साथ ही सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि संस्था के निर्वाचन का भार सचिव-श्री राम जयम कुमार को सौंपा जाय।

प्रमाणित किया जाता है कि यह आम सभा के प्रस्ताव का सच्चा

प्रति है।

बलराम प्रसाद

अध्यक्ष

राम जयम कुमार
16/11/04

Ram Janam Kumar
सचिव

"सुमित्रा स्मारक सेवा संस्थान"

का

स्मृति-पत्र

1. संस्था का नाम- "सुमित्रा स्मारक सेवा संस्थान"।

2. प्रधान कार्यालय- इस संस्था का निर्बंधित कार्यालय-

शर्मा निवास, सती स्थान, मसीटी, पटना-8 खिलार
होगा।

आवश्यकानुसार कार्यालय स्थान परिवर्तन का सूचना
15 दिनों के अन्दर निर्बंधित विभाग एवं अन्य विभागों
को दे दी जायेगी।

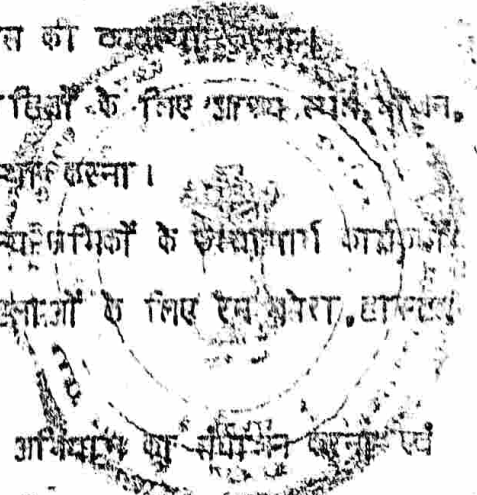
3. कार्यक्षेत्र- इस संस्था का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण भारतवर्ष होगा।

4. उद्देश्य- इस संस्था के निम्नलिखित उद्देश्य होंगे-

1. आपसी एकता, अग्रण्डता, सद्भावना हेतु सभा, सम्मेलन, गोष्ठि का आयोजन करना। देश की एकता, अग्रण्डता हेतु प्रेरित करना।
2. अकस्मिक आपदाओं जैसे बाढ़, अकाल, महामारी, सुखाड़, भूकम्प आदि में राहत कार्यक्रमों का संवाहन करना। साथ ही कार्यों में सहयोग करना।
3. सामाज में व्याप्त कुरितियों जैसे बाल-विवाह, वृद्ध पृथा अपवि कुसंधयोग आदि का रोकथाम हेतु कार्यक्रमों का संवाहन करना।
4. पृदाओं, विधवाओं, अनाथ बच्चों, परिस्थितियों के लिए आश्रय स्थल, भोजन, चिकित्सा शिक्षा एवं पुर्नवास का व्यवस्थापन करना।
5. विधवाओं, मंद बुद्धि के बच्चों, अमाहिनों के लिए आश्रय स्थल, भोजन, चिकित्सा, कृत्रिम आदि का व्यवस्थापन करना।
6. बाल-श्रमिक, महिला श्रमिक एवं अन्य श्रमिकों के संवाहार्थ कार्यों का संवाहन करना। कामकाजी महिलाओं के लिए रेशुअपरा, हाथपाई आदि का व्यवस्था करना।
7. ग्रामाप एवं शहरी क्षेत्र में स्वच्छता अभियान का निर्वाहन करना एवं लोगोंको स्वच्छ पेयजल, शौचालय आदि उपलब्ध कराने में मुख्य यातायात हेतु सड़क, पुल-पुलिया, नाका, नाली निर्माण एवं मरम्मत हेतु कार्य

m Janam Kumar

14/11/04



8. पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने हेतु जनजागरण अभियान का संवाहक करना।
वन, पंच प्राणियों, वन सम्पदा की रक्षा हेतु कार्यक्रमों का संवाहक करना।
9. उर्जा के संरक्षण हेतु लोगों को जागरूक करना, उन्नत युद्धा, गयी गैस, जीपर क गैस, सौर उर्जा, गैर पारम्परिक उर्जा के श्रोतों का जानकारी देना एवं उपसब्ध बनाना।
10. महिलाओं को रोजगारी-मुख बनाने हेतु सिमार्ड, कटार्ड, पुनार्ड, क्वाडकारा, पेन्टिंग, गुडिया-निर्माण, आदि का प्रशिक्षण देना एवं स्वावलंबी बनने में मदद करना।
11. लोगों के आर्थिक विकास हेतु विभिन्न प्रकार के उद्योग, जैसे - न्यु उद्योग, हुटार उद्योग, गृह उद्योग, बादी ग्रामीण उद्योग, मत्स्यपालन, मधुमक्खनपालन, रेसमकाट पालन, पशुपालन, डेयरी उद्योग, पत्र एवं वायु प्रसंस्करण का प्रशिक्षण देना एवं उद्योग स्थापित कर स्वावलंबी बनने में मदद करना।
12. शिक्षित बेरोजगार युवक, युवतियों को स्वावलंबी बनाने हेतु टैपकला, आधुनिक कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अन्य तकनीकों विकास का प्रशिक्षण देना एवं स्वावलंबी बनने में मदद करना।
13. महिलाओं एवं बच्चों के शैक्षणिक विकास हेतु आंगनवाडी, वातावाडी, पाकवाडी, स्वयं सहायता समूह, महिला मंडल का स्थापना और संवाहक करना।
14. लोगों के स्वास्थ्य का रक्षा हेतु स्वास्थ्य सेवा केन्द्र का स्थापना और संवाहक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण का व्यवस्था करना। परिवार कल्याण विधिर टीकाकरण विधिर एवं अन्य स्वास्थ्य विधिर का आयोजन करना। आर्य रोग, एड्स, क्षीर, टी0टी0 आदि से बचने के लिए आवश्यक जानकारी देना एवं सेवा उपसब्ध कराना।
15. विधित्ता के विभिन्न पद्धतियों का प्रचार-प्रसार करना, आधुनिक पद्धतियों, बड़ी, गुटा, प्राकृतिक विधित्ता, एलोपैथिक, होमियोपैथिक का प्रचार-प्रसार कर विधित्ता सेवा उपसब्ध कराना।
16. निरक्षरता उन्मूलन हेतु शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों का संवाहक करना। विभिन्न स्तरों का शिक्षण संस्थान का स्थापना और संवाहक करना। शैक्षणिक गरीब छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करना एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद करना।
17. कृषि एवं वाणिक्य के विकास हेतु कृषकों को आधुनिक औजार, उन्नत पौधे,

Dr. Janam Kumar

Dr. Janam Kumar
Bha
Kumar

